

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून ।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 25 सितम्बर 2006

विषय : वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयोजनागत मदों में द्वितीय किस्त का घनावंटन।  
महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश 2246/11-2007-03(05)/07 दि० 26.6.07 के क्रम में आपके पत्र संख्या 4217/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 सामान्य दिनांक 13.9.07 सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2007-08 में आयोजनागत मद में राज्य सैक्टर एवं केन्द्र पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत देय राज्यांश हेतु कुल रूपये 763.47 (रूपये सात करोड़ त्रैसठ लाख सैतालीस हजार मात्र) की धनराशि जिसका विवरण संलग्नक में अंकित है, को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगता रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट गैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।
- 5- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 6- मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 7- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

क्रमशः.....2

(2)

- 8- केन्द्र पोषित योजना में जो धनराशि राज्यांश के विपरीत आवंटित की जा रही है। यह अवश्य सुनिश्चित किया जाए कि कैंड तथा ए0आई0बी0पी0 की भारत सरकार के द्वारा जिन योजनाओं की तकनीकी एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी हो उन्हीं के राज्यांश के विपरीत व्यय किया जाए। ऐसा न करने पर इस हेतु सम्बंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 9- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 10- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन एवं केन्द्र पोषित योजनाओं में भारत सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दि0 31 मार्च 2007 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- 11- धनराशि आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा। इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय की अनुदान सं0-20 के आयोजनागत मद के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित उपलेखा शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों खाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय 441/XXVII(2)/2006, दि0 19.9.07 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)  
संयुक्त सचिव

संख्या 3387/11-2007-03(05)/07, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 2- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 3- वित्त अनुभाग-2
- 4- श्री एम0एल0 पन्ना, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 7- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

(एस0एस0टोलिया)  
अनु सचिव



शासनादेश संख्या 3387 / 11-2007-03(05)/07 दिनांक 25-09-2007 का संलग्नक  
(धनराशि लाख रु० में)

क्र. सं.	लेखाशीर्षक	आवृत्ति घनराशि
	<b>राज्य सैक्टर</b>	
1	4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 01-जमरानी बांध, आयोजनागत 800-अन्य व्यय 02-अन्य रखरखाव व्यय 01-निर्माण कार्य 24-वृहद निर्माण कार्य	62.50
2	4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय, आयोजनागत 052-मशीनरी तथा उपस्कर 03-नवीन सम्पूति 12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण 00-26-मशीनें और सज्जा	4.17 4.17
3	80-सामान्य, आयोजनागत 003-प्रशिक्षण 03-निर्माण कार्य 00-42-अन्य व्यय	21.67
4	004-शोध कार्यक्रमों का विस्तार 03-निर्माण कार्य 00-42-अन्य व्यय	38.33
5	005-सर्वेक्षण तथा अनुसंधान 03-निर्माण कार्य 00-42-अन्य व्यय	71.67
6	006-परिकल्प तथा प्रशिक्षण संस्थाओं का उच्चीकरण 03-निर्माण कार्य 00-42-अन्य व्यय	45.83
	<b>योग राज्य सैक्टर</b>	<b>248.34</b>
	<b>केन्द्रपुरोनिधानित योजना</b>	
1	2705-कमान क्षेत्र विकास, आयोजनागत 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत तथा केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 01-क्षेत्रीय विकास परियोजनायें (50%केन्द्रीय सहायता) 00-24-वृहद निर्माण कार्य	350.00
2	4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 05-सिंचाई विभाग की नई योजनायें, आयोजनागत 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें 95-AIBP की सिंचाई योजनायें (90%केन्द्रीय सहायता) 24-वृहद निर्माण कार्य	165.13
	<b>योग केन्द्रपुरोनिधानित योजनायें</b>	<b>515.13</b>
	<b>वृहद योग</b>	<b>763.47</b>

(रुपये सात करोड़ त्रैसठ लाख सैंतालीस हजार मात्र)

(एस०एस०टोलिया)  
अनु सचिव